

ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...



मंसा सेवा के मोती



***मैं श्रेष्ठ आत्मा परमपिता परमात्मा की
छत्रछाया के नीचे बैठकर यह शुभ संकल्प
करती हूं कि-***



***शिव बाबा संसार की समस्त आत्माएं सदा के
लिए मुक्ति जीवनमुक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार
प्राप्त कर ले।***

!! *ओम शांति*!!



(यह सेवा दिन में कई बार करना है)



श्रेष्ठ प्रेरणा



हमारे जीवन की अधिकांश समस्याएं
हमारे बोलने के तरीके पर निर्भर करती
हैं... हम क्या बोलते हैं यह मायने नहीं
रखता है... बल्कि हम कैसे बोलते हैं यह
ज्यादा मायने रखता है...
इसलिए अपने बोलने के तरीके को
मधुर बनाएं...।



Download App - Learn Rajyoga Meditation



SAMARPAN

बुद्धि की एक्सरसाइज़ करो तो सदा हल्के हो जावेंगे। भारीपन खत्म हो जावेगा। पुरूषार्थ की गति तीव्र हो जावेगी। सहारा लेने की आवश्यकता नहीं होगी। सदा बाप के सहारे अर्थात् छत्रछाया के नीचे अनुभव करेंगे। दौड़ लगाने के बजाए हाईजम्प वाले हो जावेंगे। तो साधन है एक एकसरसाइज़ - दूसरा है खान-पान की परहेज करो। जो बुद्धि द्वारा कोई भी अशुभ वस्तु का सेवन करना अर्थात् धारण करना इसकी परहेज़ करो - जो सुनाया सड़ी हुई और तली हुई वस्तु का सेवन नहीं करो - दूसरा वेस्ट न करो। क्यों वेस्ट करते हो? जो वस्तु जैसी मूल्यवान है उसको वैसे यूज़ न करना इसको भी वेस्ट कहा जाता। बाप द्वारा यह समय संगमयुग का खज़ाना मिला है - संगमयुग का सेकेण्ड अनेक पदमों की वैल्यू का है - सेकेण्ड का भी स्वयं के प्रति वा सर्व के प्रति पदमों के मूल्य समान यूज़ नहीं किया यह भी वेस्ट किया अर्थात् जैसा मूल्य है वैसे जमा नहीं किया। हर सेकेण्ड में पदमों की कमाई का वरदान ड्रामा में संगम के समय को ही मिला हुआ है - ऐसे वरदान को स्वयं प्रति भी जमा नहीं किया, औरों के प्रति भी दान न किया तो इसको भी व्यर्थ कहा जावेगा। ऐसे नहीं समझो कि कोई पाप तो किया नहीं वा कोई भूल तो की नहीं, लेकिन समय का लाभ न लेना भी व्यर्थ है। मिले हुए वरदान को न स्वयं प्राप्त किया न कराया तो इसको भी वेस्ट अर्थात् व्यर्थ कहेंगे। इसी प्रकार संकल्प भी एक खज़ाना है, ज्ञान भी खज़ाना है, स्थूल धन भी ईश्वर अर्थ समर्पण करने से एक नया पैसा एक रतन समान वैल्यू का हो जाता है, इन सब खज़ानों को स्वयं के प्रति वा सेवा के प्रति कार्य में नहीं लगाते तो भी व्यर्थ कहेंगे। हर सेकेण्ड स्व कल्याण वा विश्व कल्याण के प्रति हों। ऐसे सर्व खजाने इसी प्रति ही बाप ने दिये हैं - इसी कार्य में लगाते हो! कई बच्चे कहते हैं न अच्छा किया न बुरा किया - तो किस खाते में गया! वैल्यू न रखना इसको भी व्यर्थ कहेंगे। इस कारण पुरूषार्थ की रफ्तार तीव्र नहीं हो पाती और इसी के कारण नम्बरवार बढ़ जाते हैं। तो अब समझा नम्बरवार बनने का कारण क्या हुआ। वेट और वेस्ट। इन दोनों बातों को अब समाप्त करो तो फर्स्ट डिवीजन में आ जावेंगे। नहीं तो जास्ती वेट वाले को फिर वेट (इन्तजार) भी करना पड़ेगा। फर्स्ट राज्य के बजाए सेकेण्ड राज्य में आना पड़ेगा। वेट करना पसन्द है वा सीट लेना पसन्द है। अब क्या करेंगे - डबल लाइट बन जाओ। अच्छा - 10-01-1979

Vidhi Se Siddhi



**सदा परमात्मा बाप के साथ
अर्थात् सदा संतुष्ट। बाप और आप
सदा कम्बाइन्ड हो तो कम्बाइन्ड
की शक्ति कितनी बड़ी है, एक
कार्य के बजाए हजार कार्य कर
सकते हो। क्योंकि हजार भुजाओं
वाला बाप आपके साथ है।**

Be a role model by
identifying and imitating
virtues in others





**कमजोरी व दिलशिकस्त-
पन परमात्मा के हवाले
कर दो, अपने पास सिर्फ
उमंग-उत्साह रखो।**



"सोच समझकर बोलो"
हम पहले बोल देते हैं ... फिर
समझते हैं गलती हो गयी ... फिर
सोचते रहते हैं - क्यों बोला?

"सोच समझकर सोचो"
बोल कभी गलत नहीं निकलेगा।



Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR
www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website:
www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net
and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW

www.IshvariyaKhajana.BKhq.org